मेरे जीवन में खुशियों की सदा,
भरमार हो जाये,
अगर चरणों का राधा रानी के,
दीदार हो जाये।।

तर्ज अगर दिलवर की रुसवाई।

ह्रदय में श्यामसुंदर के,
विराजें राधिका रानी,
छबीली लाडली राधा,
वो थी कान्हा की दीवानी-2,
लगे मस्तक पे व्रज रज से मेरा,
उद्धार हो जाये।।

बिछाये नैन राहों में,
तेरे दरशन की चाहत है,
पिला दे जाम मस्ती का,
मिले दिल को जो राहत है-2,
तेरे दरशन से ये जीवन मेरा,
गुलजार हो जाये।।

अगर किरपा जो हो जाये,
वो वृषभानु दुलारी का,
कली मन की भी खिल जाए,

झलक पा श्यामा प्यारी का-2,
तो इस भवसिंधु से परशुराम भी,
भवपार हो जाये।।

मेरे जीवन में खुशियों की सदा,
भरमार हो जाये,
अगर चरणों का राधा रानी के,
दीदार हो जाये।।

लेखक एवं प्रेषक परशुराम उपाध्याय।
श्रीमानस-मण्डल, वाराणसी।
मो-9307386438

Source:
https://www.bharattemples.com/agar-charno-ka-radha-rani-ke-deedar-ho-jaye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw